सीमेंट स्पेशल

जे. के. लक्ष्मी सीमेंट विश्वास के 25 साल

Cement Special

मज़बूती ग्रांटिड के पथ पर आगे बढ़ते हुये 'जे. के. लक्ष्मी सीमेंट' रजत जयंती मना चुका है। कंपनी कार्यकुशलता, क्षमता और क्वालिटी के बल पर बुलंदियों को छू रही है। समाज सेवा के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली यह कंपनी, एक ऐसे प्रतिष्ठान का हिस्सा है, जो उच्च व्यापार प्रणाली और ग्राहकों की संतुष्टि को हमेशा से वरीयता देता है।

जे के लक्ष्मी सीमेंट, जे. के. प्रतिष्ठान का एक हिस्सा है, जो पिछले 125 वर्षों से भारत के व्यापार और उद्योग जगत से जुड़ा हुआ है। इस प्रतिष्ठान की नींव, अपनी उच्च व्यापार प्रणाली तथा ग्राहक के सर्वोपरी जैसे सैद्धांतिक मूल्यों पर रखी है। जे. के. ब्रांड आज इसी मूल्यों के कारण उच्च क्लालिटी के उत्पाद उपलब्ध करा रहा है। इस ग्रुप की कंपनियां अपने निरन्तर प्रयास से उन्नति के पथ पर अग्रसर हैं। जे के लक्ष्मी सीमेंट की उत्पादन क्षमता, जो कभी 36 लाख टन थी, वर्तमान में बढ़ाकर 50 लाख टन कर ली गई है। कंपनी ने अपनी विद्युत उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये 'वेस्ट हीट रिकवरी प्लांट' का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके साथ-साथ जे के लक्ष्मी सीमेंट ने छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में नया 27 लाख टन का सीमेंट प्लांट लगाने का भी कार्य आरम्भ किया है। जे के लक्ष्मी सीमेंट ने राजस्थान के जीरो इंडस्ट्री एरिया सिरोही में वर्ष 1982 में अपने प्रतिष्ठान की स्थापना की। उस समय पूरा इलाका पिछड़ा हुआ था, लेकिन आज यह इलाका विकास के क्रम में आगे बढ़ रहा है। यहां के आदिवासी हर प्रकार की आधुनिक सुविधाओं का फायदा उठाकर बेहतर जीवन जी रहे हैं। कंपनी ने जो मुकाम बनाया है, उसमें कंपनी की क्षमता, कार्यकुशलता और क्वालिटी का अहम् योगदान है। कंपनी का सीमेंट प्लांट जे के पुरम में स्थित है, जो राजस्थान के सिरोही जिले में पड़ता है। इस प्लांट की वार्षिक क्षमता 3.65 मिलियन टन है। कंपनी की क्षमता दिन-प्रतिदिन आधुनिक तकनीकी से मज़बूत होती जा रही है। कंपनी Blue Circle Industries और Fuller International USA के सहयोग से अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग कर विकास का नया इतिहास लिख रही है। जे. के. लक्ष्मी सीमेंट नॉर्दन इंडिया की पहली ऐसी कंपनी है, जिसे डिपार्टमेंट ऑफ साइंस और टेक्नोलॉजी द्वारा ISO 9002 मान्यता प्राप्त है। कंपनी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर, उन सभी मानकों पर खरा उतर रही है, जो पर्यावरण के लिये आवश्यक हैं।

JK LAKSHMI CEMENT Ltd.

25 YEARS OF TRUST
JK LAKSHMI CEMENT
SINCE-1982

कंपनी ने अपने प्लांट के आस-पास के गांवों में अनेक प्रकार के कार्यक्रम जैसे परिवार नियोजन, महिला शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा आदि चला रखे हैं। कंपनी के इन प्रयासों से आस-पास के क्षेत्रों का नक्शा ही बदल गया है।

''सीमेंट राष्ट्र की प्रगति का एक मुख्य स्रोत है''

विनीता सिंघानिया

समाज सेवा के साथ-साथ राष्ट्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली विनीता सिंघानियां जी देश की जानी-मानी सीमेंट कंपनी 'जे. के. लक्ष्मी सीमेंट' की एम.डी हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और कार्य कुशलता से जहां एक तरफ अपनी कंपनी को बेहतर मुकाम पर पहुंचाया है, वहीं दूसरी तरफ पारिवारिक ज़िम्मेदारी निभाकर खुद को साबित भी किया है। वर्तमान में कंपनी उनकी देख-रेख में नई ऊंचाइयों को छू रही है।

जे.के. कंपनी वर्ष 1982 में राजस्थान के सिरोही जिले में स्थापित की गयी थी और दो वर्ष पूर्व रजत जंयती मना चुकी है। वर्तमान में कंपनी की बागडोर विनीता सिंघानिया के हाथों में है। प्रस्तुत हैं, उनसे जुड़े कुछ सवाल-जवाब के अंश-

आपकी कंपनी का नाम आपके ग्रुप के नाम से जाना जाता है, इसके पीछे कुछ खास वजह ?

जे. के. लक्ष्मी सीमेंट, जे.के. ग्रुप का एक हिस्सा है। जे.के. ग्रुप पिछले 125 वर्षों से भारत के व्यापार और उद्योग जगत में एक प्रतिष्ठत नाम है। अपनी कार्यशैली व गुणवत्ता युक्त उत्पादों की बदौलत यह ग्रुप आज भी अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, इसीलिए आम जनता में इस ग्रुप के प्रति विश्वास का एक मज़बूत रिश्ता बना हुआ है। नतीज़न हमारी कंपनी इसी नाम से पहचानी जाती है। हमारे प्रतिष्ठान की सभी कंपनियां अपने उत्पादों के नाम के साथ जे. के. लगाने में अपने को गौरान्वित समझती हैं और यह उनकी ब्रांड इक्यूटी को भी बढ़ाता है।

आपकी सफलता का राज़ क्या है ?

मेरी समझ में कड़ी मेहनत, लगन और अपने आप में विश्वास किसी भी व्यक्ति, संस्थान एवं कंपनी की उन्नति के लिये एक मूलभूत आवश्यकता है और इसी से एक मज़बूत और उत्साहित टीम का निर्माण होता है, जो किसी भी

VINITA SINGHANIA
MANAGING DIRECTOR, JK LAKSHMI CEMENT LIMITED

कार्य को सफलतापूर्वक करने में सक्षम होती है। अत: मेरी सफलता के पीछे भी इन सबका मुख्य हाथ है।

कुछ खास प्रोजेक्ट जिसके बारे में आप बताना चाहेंगी ।

हमारा यह निरन्तर प्रयास रहता है कि हम हमेशा उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते रहें और इसी बात को ध्यान में रखकर हम अनेक प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहे हैं। अभी हाल ही में हमने अपनी उत्पादन क्षमता 36 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन कर ली है। हमने अपनी विद्युत उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये 'वेस्ट हीट रिकवरी प्लांट' का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके साथ-साथ हमने छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले में 27 लाख टन का नया सीमेंट प्लांट लगाने का भी कार्य आरम्भ कर दिया है। हमारी कंपनी की और भी कई योजनाएं हैं ।

विनीता जी, पारिवारिक व्यवसाय में आपकी दिलचस्पी थी या हालात ने बिज़नेस की कमान संभालने को विवश किया। कितना कठिन रहा इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी को हाथ में लेना।

हमारी कंपनी की और भी कई योजनाएं हैं। व्यवसाय में कदम तो रखा था परिस्थितिवश, मगर यह भी नहीं था कि मैं इच्छुक नहीं थी। शुरुआत में तो यह एक संघर्ष था, कार्य संबन्धित ही नहीं, बल्कि भावनाओं का। नया परिवेश और एक पुरुष प्रधान उद्योग में अपने आपको स्थापित करने में थोड़ा समय लगा।

एक महिला को बिज़नेस के क्षेत्र में बेहतर मुकाम बनाने के लिए किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ?

चुनौतियां स्त्री और पुरुष में कोई अंतर नहीं करतीं। अन्तत: यह आपकी कार्यक्षमता ही निर्धारित करती है कि आप इन चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं। पहले तो पुरुष प्रधान समाज में स्त्री का नेतृत्व एक चुनौती भरा काम था, लेकिन आज के समाज में यह कार्य कुछ सरल होता जा रहा है। हमारे संगठन में महिलाएं उच्च पदों पर नियुक्त नहीं हैं, इसलिये एक महिला को उच्चतम पद पर स्वीकार करने में लोगों को कुछ समय लगा।

आज आपने एक मुकाम हासिल कर लिया है। इस मुकाम पर पहुंचकर कैसा महसूस कर रही हैं।

कंपनी की संतोषजनक प्रगति मुझे एक विशेष प्रकार की अनुभूति प्रदान करती है। यह संतोष और भी अधिक हो जाता है, जब हम अपने लिये और अपनी टीम के लिये तय किया गया लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं। लक्ष्य भी वह जो प्रारंभ में तो बहुत कठिन या असंभव से लगता है। मैं अपने परिवारीजनों तथा अपनी कंपनी टीम की आभारी हूं, जिन्होंने हर परिस्थिति में मेरा साथ दिया और जिनके सहयोग से मैं इस उद्योग की बारीकियों को समझ पायी।

सीमेंट व्यवसाय के प्रति आपका क्या दृष्टिकोण है ?

मेरा ऐसा विश्वास है कि हमारे व्यापार में प्रगति की बहुत अधिक संभावनाएं हैं। मैं एक ऐसे उद्योग से संबन्धित हूं, जो सीमेंट उत्पादन में कार्यरत है। सीमेंट हमारे राष्ट्र की प्रगति का एक मुख्य स्रोत है और मुझे उम्मीद है कि अगले आने वाले वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमारे देश का ज़ोर रहेगा, जिसके फलस्वरूप सीमेंट की मांग बनी रहेगी।

क्या आप समाज सेवा एवं परोपकारिता में विश्वास रखती हैं ?

मैं अपने आपको भाग्यशाली मानती हूं कि मैं लक्ष्मीपत सिंघानिया शिक्षा संस्थान, जो कि अनेक प्रकार की धार्मिक तथा सामाजिक गतिविधियों का केंद्र है, से जुड़ी हूं। हम समय-समय पर दिल्ली में अनेक प्रकार की धार्मिक प्रवचन शृंखलाए आयोजित करते रहते हैं। इसी तरह हमारी कंपनी अपने प्लांट के आस-पास के गांवों में अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य कर रही है, जैसे- परिवार नियोजन, महिला शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा आदि। हमारे इन प्रयासों से आज सिरोही तथा आस-पास के क्षेत्रों का नक्शा ही बदल गया है।

■ **प्रॉपर्टी एक्सपर्ट ब्यूरो**